अध्याय 1
प्रस्तावना

1.1. प्रस्तावना

तेल एवं प्राकृतिक गैस कार्पोरेशन (ओएनजीसी) लिमिटेड (कम्पनी) एकीकृत तेल अन्वेषण एवं उत्पादन कम्पनी है। कम्पनी 'बेसिन' के माध्यम से अपनी अन्वेषण गतिविधियां और 'परिसंपत्ति' के माध्यम से उत्पादन गतिविधियां करती है। वर्तमान में, कम्पनी के पास दोनों अपतटीय और तटवर्ती क्षेत्रों में 13 कच्चा तेल उत्पादक परिसंपत्तियां[1] हैं, जैसा नीचे चित्र-1 में दर्शाया गया है।

चित्र-1: कच्चा तेल उत्पादक परिसंपत्तियां

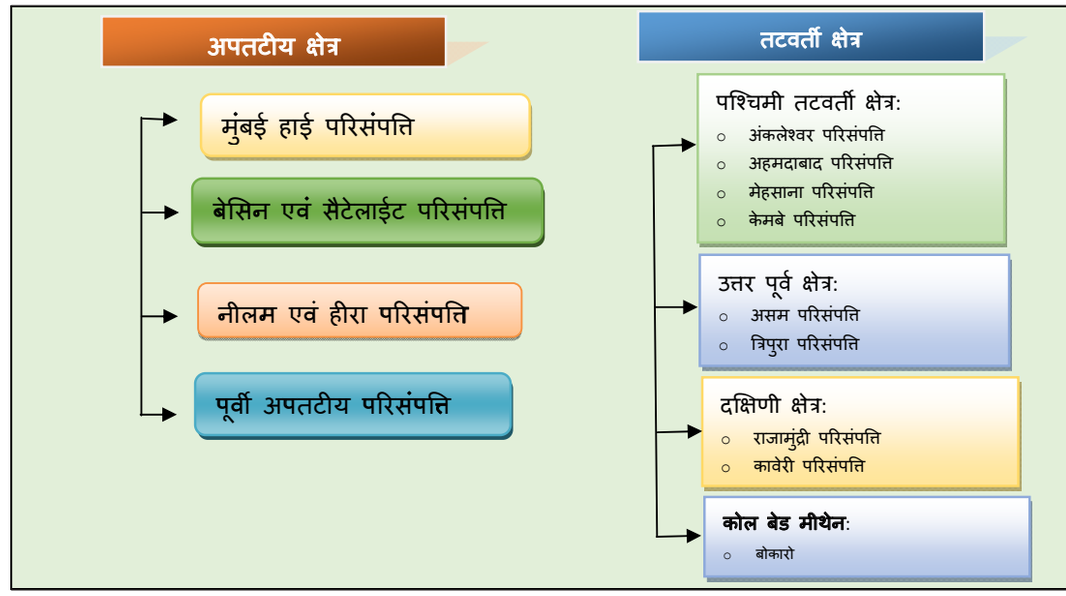

संयुक्त उद्यम और नई अन्वेषण लाइसेंसिंग नीति (एनईएलपी) सहित पिछले पांच वर्षों (2010-11 से 2014-15) के लिये कम्पनी द्वारा रिपोर्ट किये गये कच्चे तेल का उत्पादन नीचे तालिकाबद्ध है।

[1] परिसंपत्तियां: यह ओएनजीसी में सत्व को संदर्भित करता है जो मौजूदा कुओं से उत्पादन गतिविधियों और तटवर्ती संयंत्रों में तेल और गैस लाने और ले जाने में शामिल हैं। 13 परिसंपत्तियां हैं अहमदाबाद, मेहसाना, अंकलेश्वर, केमबे, असम, त्रिपुरा, राजामुंद्री, कावेरी, मुंबई हाई, नीलम-हीरा, बेसिन-सैटेलाईट, पूर्वी अपतटीय परिसंपत्ति, कोल बेड मीथेन-बोकारो।

तालिका 1: ओएनजीसी द्वारा रिपोर्ट किये गये कच्चे तेल का उत्पादन

(आंकड़े एमटी में)

वर्ष	तटवर्ती			अपतटीय		संयुक्त उद्यम का उत्पादन	तटवर्ती एनईएलपी	एनईएलपी और जेवी सहित ओएनजीसी का कुल उत्पादन
	पश्चिम तटवर्ती	उत्तर पूर्व तटवर्ती	दक्षिणी क्षेत्र	पूर्वी अपतटीय	पश्चिमी अपतटीय			
2010-11	5756676	1152021	537549	0	16972261	2859771	0	27278278
2011-12	5629262	1204507	550988	38458	16289179	3212953	0	26925347
2012-13	5186507	1224262	532950	44470	15572652	3564767	1506	26127114
2013-14	4916987	1264823	523424	25815	15514874	3747232	951	25994106
2014-15	4512939	1060798	494367	18191	16176615	3678874	986	25942770

स्रोत: कम्पनी की कार्पोरेट कच्चा तेल मिलान विवरणी
नोट:पश्चिम अपतटीय में मुंबई हाई, बेसिन और सेटेलाइट एवं नीलम और हीरा परिसंपत्तियां शामिल हैं।

कुल अपतटीय कच्चा तेल उत्पादन कम्पनी के कुल सूचित किये उत्पादन का लगभग 65 प्रतिशत था।

1.2. लेखापरीक्षा उद्देश्य

लेखापरीक्षा का उद्देश्य था:

- निर्धारित करना कि क्या कच्चे तेल के उत्पादन का सही माप और सूचना दी गई है।
- कच्चे तेल के अनुचित माप एवं रिपोर्टिंग के प्रभाव का आकलन, यदि हो तो।

1.3. लेखापरीक्षा का कार्यक्षेत्र

लेखापरीक्षा ने 2010-11 से 2014-15 की अवधि के लिये कम्पनी की कुल तेरह परिसंपत्तियों में से नौ में कच्चे तेल उत्पादन के माप और रिपोर्टिंग प्रणाली की जांच की। लेखापरीक्षा में सम्मिलित की गई परिसंपत्तियां है:

- ***अपतटीय परिसंपत्तियां:*** मुबंई हाई, बेसिन एवं सेटेलाइट, नीलम और हीरा।
- ***तटवर्ती परिसंपत्तियां:*** अंकलेश्वर, अहमदाबाद, मेहसाना, असम, कावेरी, राजामुंद्री।

1.4. लेखापरीक्षा मानदंड

लेखापरीक्षा के लिये मानदंड तैयार किये गये थे:

(i) तेल क्षेत्र (विकास एवं विनियम) अधिनियम-1948 ।

(ii) तेल उद्योग (विकास) अधिनियम, 1974 ।

(iii) पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियमावली (पीएनजी नियमावली) 1959 ।

(iv) कच्चे तेल के उत्पादन के माप हेतु आंतरिक मानक संचालन प्रक्रिया/परिपत्र/ दिशानिर्देश, पारगमन हानि के लिये प्रतिमान।

(v) कच्चे तेल के उत्पादन की रिपोर्टिंग हेतु घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय कार्यप्रणाली।

(vi) पाईपलाईन हानि हेतु उद्योग मानदंड, मीटर रीडिंग में अनुमत भिन्नता।

(vii) कच्चे तेल की माप प्रणाली की अंशशोधन और रखरखाव हेतु कम्पनी की नीति।

1.5. लेखापरीक्षा कार्यपद्धति

क्षेत्रीय लेखापरीक्षा अगस्त/सितम्बर 2015 में शुरू की गई थी। अभिलेखों की समीक्षा चयनित क्षेत्र और संसाधन प्रतिष्ठापना के लिये क्षेत्रीय दौरे द्वारा प्रारंम्भ की गई थी। लेखापरीक्षित परिसंपत्ति की प्रक्रिया और सीमाओं को समझने के लिये लेखापरीक्षा के दौरान विभिन्न स्तरों पर प्रबंधन के साथ विचार-विमर्श भी किया गया था। प्रारंभ में लेखापरीक्षा निष्कर्षों पर प्रबंधन के साथ विचार-विमर्श किया गया था और उसके बाद उनके उत्तर के लिये उन्हें लेखापरीक्षा अवलोकन जारी किये गये थे।

प्राप्त उत्तरों को शामिल करने के बाद, कम्पनी के प्रबंधन को ड्राफ्ट ऑडिट रिपोर्ट जारी की गई थी। ड्राफ्ट ऑडिट रिपोर्ट के उत्तर 11 जनवरी 2016 को प्राप्त किये गये थे। प्रबंधन के उत्तर शामिल करने के बाद, फरवरी 2016 में मंत्रालय को संशोधित रिपोर्ट जारी की गई थी और मंत्रालय का उत्तर अप्रैल 2016 में प्राप्त हुआ। मंत्रालय के उत्तरों को इस रिपोर्ट में शामिल किया गया है।